



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 563]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 18, 2003/कार्तिक 27, 1925

No. 563]

NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 18, 2003/KARTIKA 27, 1925

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 18 नवम्बर, 2003

प्रतिअदायगी/सा.सू. 03/2003

सांका०नि० 894(अ).—वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) में भारत सरकार की अधिसूचना सं० 54/2003-सीमाशुल्क, दिनांक 1 अप्रैल, 2003, जो सांका०नि० 278 (अ) द्वारा भारत के राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित हुई थी, की शर्त (3) में "पूँजीगत माल" को ठीक करके "व्यावसायिक उपस्कर" पढ़ा जाए।

[फा० सं० 605/1/2003-प्रतिअदायगी]

आलोक झा, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 18th November, 2003

DRAWBACK/P.N. 03/2003

G.S.R. 894(E).—In condition (3) of the Notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 54/2003-Cus. dated 1st April, 2003, published in the Gazette of India (Extraordinary), vide GSR 278(E), the words "capital goods" shall be corrected to read as "professional equipments".

[F. No. 605/1/2003-DBK]

ALOK JHA, Under Secy.